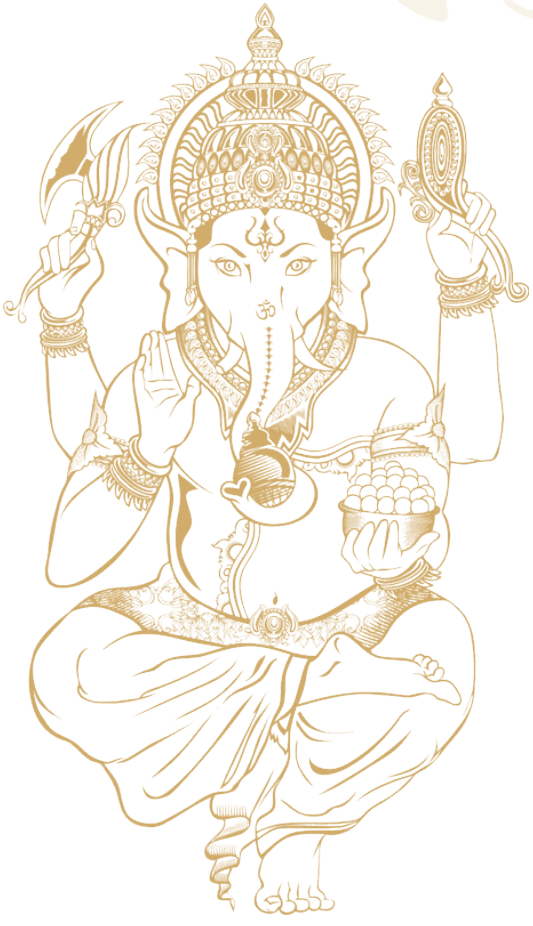

Smt.Amandeep Kour

13 Sep 1991

01:02 AM

Suratgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119712903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12-13/09/1991**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:02:00 घंटे**
इष्ट	46:51:51 घटी
स्थान	**Suratgarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:19:00 उत्तर
रेखांश	73:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:27:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:29 घंटे
साम्पातिक काल	23:52:48 घंटे
सूर्योदय	06:17:15 घंटे
सूर्यास्त	18:44:01 घंटे
दिनमान	12:26:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:47:40 सिंह
लग्न के अंश	17:16:31 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ऐन्द्र
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:16:31	316:48:33	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	25:47:40	00:58:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			तुला	20:44:55	12:44:47	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	13:43:12	00:39:04	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	09:10:45	01:29:02	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	06:22:26	00:12:44	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	27:16:03	00:01:19	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	06:51:09	00:02:08	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	22:58:44	00:06:19	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	22:58:44	00:06:19	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:06:28	00:00:20	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		धनु	20:17:30	00:00:26	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	24:24:09	00:01:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			मीन	04:17:52	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:44

लग्न-चलित

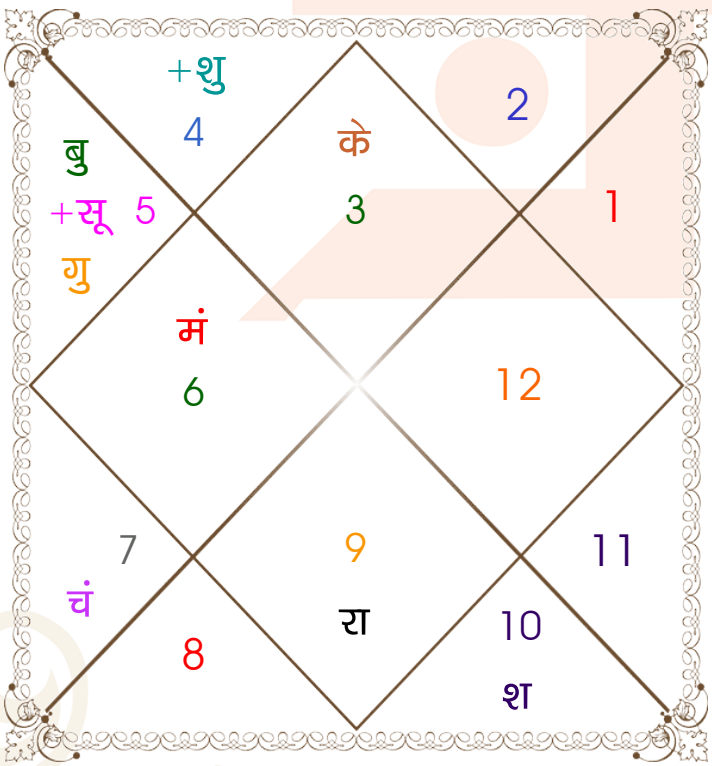

चन्द्र कुंडली

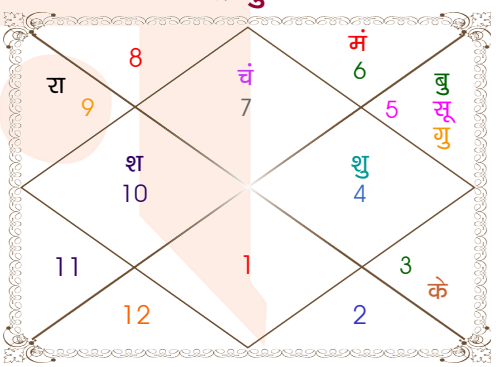

नवमांश कुंडली

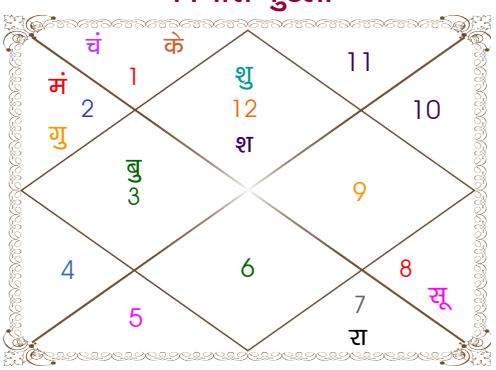

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 1 मास 6 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
13/09/1991		19/10/2006		19/10/2025		19/10/2042		19/10/2049	
19/10/2006		19/10/2025		19/10/2042		19/10/2049		19/10/2069	
गुरु	07/12/1992	शनि	22/10/2009	बुध	17/03/2028	केतु	18/03/2043	शुक्र	18/02/2053
शनि	20/06/1995	बुध	01/07/2012	केतु	14/03/2029	शुक्र	17/05/2044	सूर्य	18/02/2054
बुध	25/09/1997	केतु	10/08/2013	शुक्र	13/01/2032	सूर्य	22/09/2044	चंद्र	20/10/2055
केतु	01/09/1998	शुक्र	10/10/2016	सूर्य	18/11/2032	चंद्र	23/04/2045	मंगल	19/12/2056
शुक्र	02/05/2001	सूर्य	22/09/2017	चंद्र	20/04/2034	मंगल	19/09/2045	राहु	20/12/2059
सूर्य	18/02/2002	चंद्र	23/04/2019	मंगल	17/04/2035	राहु	07/10/2046	गुरु	20/08/2062
चंद्र	20/06/2003	मंगल	01/06/2020	राहु	03/11/2037	गुरु	13/09/2047	शनि	19/10/2065
मंगल	26/05/2004	राहु	08/04/2023	गुरु	09/02/2040	शनि	22/10/2048	बुध	19/08/2068
राहु	19/10/2006	गुरु	19/10/2025	शनि	19/10/2042	बुध	19/10/2049	केतु	19/10/2069

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/10/2069		20/10/2075		19/10/2085		19/10/2092		20/10/2110	
20/10/2075		19/10/2085		19/10/2092		20/10/2110		00/00/0000	
सूर्य	06/02/2070	चंद्र	19/08/2076	मंगल	17/03/2086	राहु	02/07/2095	गुरु	14/09/2111
चंद्र	07/08/2070	मंगल	20/03/2077	राहु	05/04/2087	गुरु	25/11/2097		00/00/0000
मंगल	13/12/2070	राहु	19/09/2078	गुरु	11/03/2088	शनि	02/10/2100		00/00/0000
राहु	07/11/2071	गुरु	19/01/2080	शनि	20/04/2089	बुध	21/04/2103		00/00/0000
गुरु	25/08/2072	शनि	19/08/2081	बुध	17/04/2090	केतु	09/05/2104		00/00/0000
शनि	07/08/2073	बुध	19/01/2083	केतु	13/09/2090	शुक्र	09/05/2107		00/00/0000
बुध	14/06/2074	केतु	20/08/2083	शुक्र	13/11/2091	सूर्य	02/04/2108		00/00/0000
केतु	19/10/2074	शुक्र	20/04/2085	सूर्य	20/03/2092	चंद्र	02/10/2109		00/00/0000
शुक्र	20/10/2075	सूर्य	19/10/2085	चंद्र	19/10/2092	मंगल	20/10/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 1 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।